This Question Paper consists of 16 questions and 12 printed pages.
इस प्रश्न–पत्र में 16 प्रश्न तथा 12 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमांक | | | | | | | | | | | | |

Code No. 69/S/A
कोड संख्या

Set / सेट – A

HINDUSTANI MUSIC
हिंदुस्तानी संगीत
(242)

Day and Date of Examination
(परीक्षा का दिन व दिनांक) _____

Signature of Invigilators 1. _____
(निरीक्षकों के हस्ताक्षर)
2. _____

General Instructions :

1 Candidate must write his/her Roll Number on the first page of the Question Paper.

2 Please check the Question Paper to verify that the total pages and the total number of questions contained in the Question Paper are the same as those printed on the top of the first page. Also check to see that the questions are in sequential order.

3 For the objective type questions, you have to choose any **one** of the four alternatives given in the question, i.e. (A), (B), (C) and (D) and indicate your correct answer in the Answer-Book given to you.

4 Making any identification mark in the Answer-Book or writing Roll Number anywhere other than the specified places will lead to disqualification of the candidate.

5 (a) The Question Paper is Bilingual i.e., English and Hindi. However, if you wish, you can answer in any one of the languages listed below :
English, Hindi, Urdu, Punjabi, Bengali, Tamil, Malayalam, Kannada, Telugu, Marathi, Oriya, Gujarati, Konkani, Manipuri, Assamese, Nepali, Kashmiri, Sanskrit and Sindhi.
You are required to indicate the language you have chosen to answer in the box provided in the Answer-Book.

(b) If you choose to write the answer in the language other than Hindi and English, the responsibility for any errors/mistakes in understanding the question will be yours only.

6 Candidate will not be allowed to take Calculator, Mobile Phone, Bluetooth, Earphone or any such electronic devices in the Examination Hall.

7 In case of any doubt or confusion in the question paper, the English version will prevail.

8 Write your Question Paper Code No. **69/S/A, Set - A** on the Answer-Book.

सामान्य अनुदेश :

1 परीक्षार्थी प्रश्न–पत्र के पहले पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें।

2 कृपया प्रश्न–पत्र को जाँच लें कि प्रश्न–पत्र के कुल पृष्ठों तथा प्रश्नों की संख्या उतनी ही है जितनी प्रथम पृष्ठ के सबसे ऊपर छपी है। इस बात की जाँच भी कर लें कि प्रश्न क्रमिक रूप में हैं।

3 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में आपको चार विकल्पों (A), (B), (C) और (D) में से कोई **एक** उत्तर चुनना है तथा दी गई उत्तर–पुस्तिका में उस सही उत्तर को लिखिए।

4 उत्तर–पुस्तिका में पहचान–चिह्न बनाने अथवा निर्दिष्ट स्थानों के अतिरिक्त कहीं भी अनुक्रमांक लिखने पर परीक्षार्थी को अयोग्य ठहराया जायेगा।

5 (क) यह प्रश्न–पत्र दो भाषाओं में है अर्थात् अंग्रेजी एवं हिंदी। फिर भी, यदि आप चाहें तो नीचे दी गई किसी एक भाषा में उत्तर दे सकते हैं :

अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू, पंजाबी, बंगला, तमिल, मलयालम, कन्नड़, तेलुगु, मराठी, उड़िया, गुजराती, कोंकणी, मणिपुरी, असमिया, नेपाली, कश्मीरी, संस्कृत और सिंधी।

कृपया उत्तर–पुस्तिका में दिए गए बॉक्स में लिखें कि आप किस भाषा में उत्तर लिख रहे हैं।

(ख) यदि आप हिंदी एवं अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी अन्य भाषा में उत्तर लिखते हैं, तो प्रश्नों को समझने में होने वाली त्रुटियों / गलतियों की जिम्मेदारी केवल आपकी होगी।

6 परीक्षार्थी को परीक्षा हॉल में कैल्कुलेटर, मोबाइल फोन, ब्लुटूथ, इयरफोन जैसे किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण को ले जाने की अनुमति नहीं है।

7 प्रश्न–पत्र में किसी भी प्रकार के संदेह अथवा दुविधा की स्थिति में अंग्रेजी अनुवाद ही मान्य होगा।

8 अपनी उत्तर–पुस्तिका पर प्रश्नपत्र का कोड नं. **69/S/A, सेट – A** लिखें।

NOTE / निर्देश :

(1) Answers of all questions are to be given in the Answer-Book given to you.
सभी प्रश्नों के उत्तर आपको दी गयी उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।

(2) 15 minutes time has been allotted to read this question paper. The question paper will be distributed at 02.15 p.m. From 02.15 p.m. to 02.30 p.m., the students will read the question paper only and will not write any answer on the answer-book during this period.
इस प्रश्न–पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न–पत्र का वितरण दोपहर में 02.15 बजे किया जाएगा। 02.15 बजे से 02.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न–पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर–पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

HINDUSTANI MUSIC

हिंदुस्तानी संगीत

(242)

Time : 1½ Hours] **[Maximum Marks : 40**

समय : 1½ घण्टे] **[पूर्णांक : 40**

Note :

(i) This question paper consists of **16** questions in all.

(ii) **All** questions are **compulsory**.

(iii) Marks are given against each question.

(iv) **Section - A** consists of Multiple Choice Type Questions.

Q. No. 1 to 8 - Multiple Choice Type Questions (MCQs) carrying **1** mark each. Select and write the most appropriate option out of the four options given in each of these questions.

(v) **Section - B** consists of Objective type questions:

Q. No. 9 - Read the passage carefully then Fill in the blanks (4 sub-questions) carrying **1** mark each.

Q. No. 10 - Read the passage carefully then true and false (4 sub-questions) carrying **1** mark each.

Q. No. 11 - Read the passage carefully then write in one word answer (4 sub-questions) carrying **1** mark each.

(vi) **Section - C** consists of Subjective type questions:

Q. No. 12 and 13 - Short Answer type questions carrying **3** marks each to be answered in the range of **60 to 70** words.

Q. No. 14 - Long Answer type questions carrying **4** marks to be answered in the range of **80 to 90** words.

Q. No. 15 and 16 - Long Answer type questions carrying **5** marks each to be answered in the range of **100 to 120** words.

An internal choice has been provided in the Section-C.

निर्देश :

(i) इस प्रश्न–पत्र में कुल **16** प्रश्न हैं।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(iii) प्रत्येक प्रश्न के सामने अंक दिए गए हैं।

(iv) **खण्ड–अ** बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न हैं।

प्र. सं. 1 से 8 - प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न **1** अंक का है। इन सभी प्रश्नों में दिए गए चार विकल्पों में से सबसे उपयुक्त विकल्प का चयन करें एवं लिखें।

(v) **खण्ड–ब** में वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न हैं।

प्र. सं. 9 - गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर रिक्त स्थान भरिए (4 उप–प्रश्न) प्रत्येक **1** अंक का।

प्र. सं. 10 - गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर सही एवं गलत लिखिए (4 उप–प्रश्न) प्रत्येक **1** अंक का।

प्र. सं. 11 - गद्यांश को सावधानीपूर्वक पढ़कर एक शब्द में उत्तर दें (4 उप–प्रश्न) प्रत्येक **1** अंक का।

(vi) **खण्ड–स** वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्न हैं।

प्र. सं. 12 एवं 13 - लघु उत्तर वाले प्रत्येक **3** अंक के प्रश्न। उत्तर शब्द सीमा **60 से 70** शब्द।

प्र. सं. 14 - दीर्घ उत्तर वाला **4** अंक का प्रश्न। उत्तर शब्द सीमा **80 से 90** शब्द।

प्र. सं. 15 एवं 16 - दीर्घ उत्तर वाले प्रत्येक **5** अंक के प्रश्न। उत्तर शब्द सीमा **100 से 120** शब्द।

खण्ड–स में आंतरिक पसंद दी गयी है।

SECTION - A

खण्ड – अ

1 A Raga should have at least : 1

(A) 7 swaras

(B) 5 swaras

(C) 10 swaras

(D) 6 swaras

एक राग में कम से कम होने चाहिए :

(A) 7 स्वर

(B) 5 स्वर

(C) 10 स्वर

(D) 6 स्वर

2 How old the concept of Raga is? 1

(A) 3000 years

(B) 1000 years

(C) 2000 years

(D) 5000 years

राग की अवधारणा कितनी प्राचीन है ?

(A) 3000 वर्ष

(B) 1000 वर्ष

(C) 2000 वर्ष

(D) 5000 वर्ष

3 Brihaddeshi was written by : 1

(A) Sharangadev

(B) Bharat

(C) Ahobala

(D) Matang

बृहद्देशी के रचनाकार थे :

(A) शारङ्गदेव

(B) भरत

(C) अहोबल

(D) मतंग

4 The number of thata as accepted by Pt. V. N. Bhatkhande is : 1

पं. वि. ना. भातखण्डे द्वारा स्वीकृत थाट है :

(A) 12

(B) 20

(C) 10

(D) 14

5 Nyamat Khan was the real name of : 1

(A) Adarang

(B) Sadarang

(C) Manarang

(D) Shubhrang

न्यामत खाँ असली नाम था :

(A) अदारंग का

(B) सदारंग का

(C) मनरंग का

(D) शुभरंग का

6 The Jati of a Raga will be Shadava Sampurna if it has : 1

(A) Five notes in Aroha and six notes in Avaroha

(B) Seven notes in Aroha and six notes in Avaroha

(C) Six notes in Aroha and seven notes in Avaroha

(D) Five notes in Aroha and five notes in Avaroha

राग की जाति षाडव–संपूर्ण कहलाती है, यदि उसके :

(A) आरोह में पाँच और अवरोह में छह स्वर हैं

(B) आरोह में सात और अवरोह में छह स्वर हैं

(C) आरोह में छह और अवरोह में सात स्वर हैं

(D) आरोह में पाँच और अवरोह में पाँच स्वर हैं

7 In which treatise of Vedic period the dances like Rajju, Arun, Prakriti etc. have been mentioned? 1

(A) Vajasaneyi Sanhita

(B) Sama Sanhita

(C) Charak Sanhita

(D) Sushrut Sanhita

वैदिक काल के किस ग्रन्थ में रज्जु, अरुण, प्रकृति आदि नृत्यों का उल्लेख हैं ?

(A) वाजसनेयी संहिता

(B) साम संहिता

(C) चरक संहिता

(D) सुश्रुत संहिता

8 Major contribution of Pt. V. N. Bhatkhande is : 1

(A) Interpretation of the time theory of Ragas

(B) Re-invention of compositions to include Bhakti

(C) Description of khand meru method of notes

(D) Contribution towards the popularity of Veena

पं. वि. ना. भातखण्डे का महत्वपूर्ण योगदान है :

(A) रागों का समय सिद्धान्त की व्याख्या

(B) बन्दिशों में भक्ति को सम्मिलित कर उनकी पुनर्निर्मिति

(C) स्वरों के खण्ड मेरू प्रयोग का वर्णन

(D) वीणा के प्रचार के प्रति योगदान

SECTION - B

खण्ड – ब

9 Read the passage carefully and fill in the blanks :

"Four types of instruments have been mentioned during Vedic period - (1) Stringed instruments (2) Wind instruments (3) Leather instruments (4) Metallic instruments. These four types of instruments were later on called Tat, Sushir, Avanadya and Ghan instruments.

Among stringed instruments of Vedic period, Veena held the prominent place. There were different types of Veena such as Bāna Veena, Karkari Veena, Kānda Veena, Apaghatalika, Godha Veena etc. Bāna Veena was also called Mahaveena. It consisted of hundred strings. During Mahavrata Yajna, this Veena was played using a wooden stick. Among wind instruments the name 'Tunav' has been used often for flute. Nadi was another synonym for flute. Among leather instruments Dundubhi and Bhumi Dundubhi were specifically important."

(A) During Vedic period four types of instruments were mentioned as, _____, _____, _____, _____. **1**

(B) The wind instruments often used in Vedic period was called _____. **1**

(C) The prominent Avanadya instruments of Vedic period were_____, _____, . **1**

(D) Bana Veena in Vedic period was also called _____. **1**

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और रिक्त स्थान भरिए:

''वैदिक काल में चार प्रकार के वाद्यों का उल्लेख उपलब्ध होता है (1) तन्त्री वाद्य (2) वायु से बजने वाले वाद्य (3) चर्म से बने वाद्य (4) धातु से निर्मित वाद्य। पश्चातवर्ती समय में इन्हें ततवाद्य, सुशिर वाद्य, अवनद्य वाद्य तथा घन वाद्य कहा गया।

वैदिककाल के ततवाद्यों में वीणा का प्रमुख स्थान था। उस समय अनेक प्रकार की वीणाएँ थी जैसे बाणवीणा, कर्करी वीणा, काण्ड वीणा, अपघाटलिका वीणा, गोधा वीणा, आदि। बाण वीणा को महावीणा भी कहा जाता था। इनमें 100 तन्त्रियाँ थीं। महाव्रत यज्ञ के समय एक लकड़ी के दण्ड से इस वीणा का वादन किया जाता था। सुशिर वाद्यों में 'तुणव' नामक वाद्य बांसुरी के समान सामान्यतः बजाया जाता था। बाँसुरी का दूसरा पर्याय नाड़ी था। अवनद्य वाद्यों में दुन्दुभि तथा भूमि दुन्दुभि विशेषतः महत्वपूर्ण थे''

(A) वैदिक काल में वाद्यों के चार प्रकार थे _____, _____, _____, _____

(B) वैदिक काल में सामान्यतः प्रयुक्त होने वाला सुशिर वाद्य था _____

(C) वैदिक काल में महत्वपूर्ण अवनद्य वाद्य थे _____, _____

(D) वैदिक काल में बाण वीणा को _____ भी कहा जाता था।

10 Read the passage carefully and mark the questions as True / False :

'Indian classical music is basically melodic and Raga is its nucleus. The word 'Raga' is synonymous with Indian classical music. The concept of Raga is almost 2000 years old. The world 'Raga' is derived from the Sanskrit root 'Ranj' (to colour, to provide delight). Etymologically, it has been defined as 'Ranjayati iti Ragah' i.e. that which provides aesthetic pleasure is called Raga. The Raga can be defined as a melodic structure of musical notes having specific characters and is governed by certain rules.'

(A) Raga is the synonym of Patriotic music. (True / False) **1**

(B) The idea of Raga in Hindustani music is almost 100 years old. (True/False) **1**

(C) Raga is defined as a melodic structure of musical notes. (True/False) **1**

(D) The word 'Raga' doesn't always convey aesthetic pleasure. (True / False) **1**

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों में सत्य / असत्य पर चिह्न लगाइये :

'हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत मूलतः सुरीला है तथा राग उसका केन्द्रबिंदु है। 'राग' शब्द हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के लिए पर्याय समान है। राग की अवधारणा लगभग 2000 वर्ष पुरानी है। 'राग' शब्द की व्युत्पत्ति संस्कृत धातु 'रञ्ज' (रंगना, रंजकता प्रदान करना) से मानी जाती है। व्युत्पत्ति के आधार पर इसे 'रञ्जयति इति रागः' के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, अर्थात् वह जो रंजकता प्रदान करे, वह राग है। राग को सांगीतिक स्वरों के उस स्वरानुक्रम विन्यास के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसका सुनिश्चित गुणधर्म होता है तथा जो विशेष नियमों के द्वारा संचालित है।'

(A) राग देशभक्ति संगीत का पर्याय है। (सत्य/असत्य)

(B) हिन्दुस्तानी संगीत में राग की अवधारणा लगभग 100 साल पुरानी है। (सत्य/असत्य)

(C) राग की सांगीतिक स्वरों के स्वरानुक्रम विन्यास के रूप में परिभाषित किया जाता है। (सत्य/असत्य)

(D) 'राग' शब्द सदैव रंजकता प्रदान नहीं करता। (सत्य/असत्य)

11 Read the passage carefully and answer the following questions :

'According to Faquirullah and many other modern musicologists, Mansingh is credited with popularizing Dhrupad. He was adept in singing Dhrupad. He himself composed many Dhrupads and patronized this form. His compositions consist of praises of deities and great men as well as eroticism. Since the language used is folk (Braj), they were quite popular among the masses. Today also, many of his Dhrupads are prevalent. Raja Mansingh also created some new Ragas. Famous among them are Gurjari Todi, Mal Gurjari and Mangal Gurjari. He also had an interest in architecture. Prominent buildings created by him include Man Mandir and Gurjari Mahal.

Write one word answer to the following questions :

(A) Which form of music did Mansingh popularize? **1**

(B) What language is used in his compositions? **1**

(C) Name of Raga created by Raja Mansingh. **1**

(D) Name a building created by Raja Mansingh. **1**

निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा प्रश्नों का उत्तर दीजिए :

'फकीरुल्लाह तथा अन्य अनेक आधुनिक विद्वानों के अनुसार ध्रुपद गायकी के प्रचार का श्रेय राजा मानसिंह को है। वे ध्रुपद गायन में विशेष दक्ष थे। उन्होंने स्वयं बहुत से ध्रुपदों की रचना की तथा इस गायकी को बहुत प्रोत्साहन दिया। उनकी रचनाओं में देवताओं तथा महापुरुषों की स्तुतियां हैं; कुछ में श्रृंगारमय चित्र भी हैं। इनमें लोकभाषा (ब्रजभाषा) का प्रयोग किया गया है जिससे ये सामान्य जनता में विशेष लोकप्रिय हुए। आज भी इनके रचे हुए अनेक ध्रुपद प्रचार में हैं। राजा मानसिंह ने कुछ नवीन रागों की भी रचना की जिनमें गुर्जरी तोड़ी, मालगुर्जरी, मंगलगुर्जरी इत्यादि प्रसिद्ध हैं। राजा मानसिंह स्थापत्य कला में भी रुचि रखते थे। उनके द्वारा निर्मित कुछ इमारतों में मानमंदिर तथा गुर्जरी महल उल्लेखनीय हैं।'

निम्न प्रश्नों का उत्तर एक शब्द में दें :

(A) मानसिंह ने संगीत की कौन सी विधा को प्रचलित किया?

(B) उनकी रचनाओं में किस भाषा का प्रयोग है?

(C) राजा मानसिंह द्वारा निर्मित एक राग का नाम बताइए।

(D) राजा मानसिंह द्वारा निर्मित एक इमारत का नाम बताइए।

SECTION - C

खण्ड – स

12 Write the names of the musicians who helped Mansingh Tomar in compiling the book "Mankutuhal and also the name of the scholar who translated it in Persian. 3

मानकुतूहल का फारसी अनुवाद करने वाले विद्वान तथा उन संगीतज्ञों के नाम लिखिए जिन्होंने मानकुतूहल को संकलित करने में मानसिंह तोमर को सहायता की थी।

OR / अथवा

Name the language and the talas which Sadarang used for his Khyal compositions.

सदारंग द्वारा अपनी ख्याल रचनाओं के लिए प्रयुक्त की जाने वाली भाषाओं तथा तालों के नाम लिखिए।

13 Write the major contributions of Pt. V. D. Paluskar to Hindustani music. 3

हिन्दुस्तानी संगीत के प्रति पं. वि. दि. पलुस्कर के प्रमुख योगदानों के बारे में लिखिए।

14 Write a note on the contents of Sangeet Parijat in short. 4

संगीत पारिजात की विषय वस्तु पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

OR / अथवा

What is the contribution of Miyan Tansen to the field of Hindustani music? Explain.

मियाँ तानसेन का हिन्दुस्तानी संगीत के प्रति क्या योगदान है ? वर्णन कीजिए।

15 Give a detailed description of Gram and Murchhana as given in Sangeet Parijat. 5

संगीत पारिजात में दिए गए ग्राम तथा मूर्च्छना का विस्तृत वर्णन कीजिए।

OR / अथवा

Highlight the compositional talent of Sadarang and his efforts towards the popularization of Khyal form of music.

ख्याल गेय विधा के प्रचार के सन्दर्भ में सदारंग के रचना कौशल तथा उनके सत्प्रयत्नों को प्रकाशित कीजिए।

16 Give a comparative statement of the seven Vedic swaras with seven Laukik swaras as prevalent in Vedic period. 5

वैदिक काल में प्रचलित सात वैदिक स्वरों की सात लौकिक स्वरों से तुलना कीजिए।

OR / अथवा

Explain the evolution and historical development of Dhrupad.

ध्रुपद के उद्‌गम व ऐतिहासिक विकास का विवेचन कीजिए।